ation agreement with Poland for development of Jharia Coal Fields in Bihar, very recently; and

(b) if so, the salient features thereof?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF ENERGY (PROF. SIDDHESHWAR PRASAD): (a) and (b). An agreement was entered into with Poland in January, 1972, which, *inter-alia*, provided for extension of cooperation in the reorganisation and reconstruction of coking coal mines in Jharia. In pursuance of the above agreement, the Bharat Coking Coal Ltd., concluded a contract with Messrs KOPEX of Poland for planning, reconstruction and reorganization of the coking coal mines in Jharia Coalfield. This agreement/contract is reviewed from time to time. The latest review was done in January 1975 by the Indo-Polish Joint Commission during its second session in New Delhi. According to this agreement, M/s. KOPEX would give expertise and render services and collaborate in the prepueration of feasibility report of such reconstruction and reorganization The above arrangement of deputation of Polish experts and preparation of preliminary project report forms the first phase of collaboration.

वित्तीय संसाधनों की कमी और लागत में वृद्धि के कारण योजनाओं की प्राथमिकता में फेर-बदल

211\. श्री आर० वी० बड़े :

श्री माधव राव सिंधिया :

श्री अटल बिहारी वाजपेयी :

श्री जगन्नाथराव जोशी :

क्या योजना मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों में प्रति वर्ष तथा वर्तमान वर्ष में अब तक जीवन निर्वाह मूल्य में वृद्धि की प्रतिशतता कितनी-कितनी रही है और पांचवी योजना के विभिन्न प्रकार के लक्ष्यों पर उसका क्या व कितना असर पड़ा है ; और

(ख) मंहगाई और आर्थिक संसाधनों की कमी को देखते हुए क्या योजनाओं को प्राथमिकताओं में भी फेर-बदल किया गया है और यदि हां, तो क्या ?

योजना मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) (क) औद्योगिक कर्मचारियों के लिए अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में परिवर्तन होने के कारण जीवन निर्वाह मूल्य में वर्ष 1971–72, 1972–73 और 1973–74 में क्रमशः 3.2, 7.8 और 20.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई। चालू वित्तीय वर्ष अप्रैल दिसम्बर, 1974 के दौरान इसमें 26.0 प्रतिशत की और वृद्धि हुई।

पांचवी योजना का प्रारूप 1972–73 के मूल्यों के अनुसार बनाया गया था। तब से जीवन-निर्वाह मूल्य और सामान्य मूल्य स्तर में जो वृद्धि हुई तथा अन्य घटनायें घटित हुई जैसे अन्तर्राष्ट्रीय मूल्यों खासकर कच्चे तेल और उसके उत्पादनों के मूल्यों में वृद्धि, के कारण पांचवी योजना प्रारूप के लक्ष्यों और संकेतों पर भिन्न-भिन्न मात्राओं में प्रभाव पड़ा। बहरहाल, इस समय इनका ठीक-ठीक क्या प्रभाव पड़ा यह बताना सम्भव नहीं है।

(ख) इस सारे मामले पर विचार किया जा रहा है। फिलहाल वार्षिक योजना 1975-76 कृषि, सिंचाई और ऊर्जा साधनों जैसे बिजली, तेल व कोयला को प्राथमिकता देकर तैयार की जा रही है।